

28/12/2021

वकील पक्षकारान उपस्थित। - चूंकि मूल  
कृषीज काज विरिति वे चुकी हो खोली  
स्थिति में प्राथमिण पर प्रह प्राथमा  
पर काव पुनावठिन होने से इसी  
तर पर खाविज कियो जना भोग्य  
हो किंतु प्राथमिण का प्राथमा पर  
खाविज कियो जाता हो विरिणप  
बनाया गया। परवली के स्थानुसार  
होकर नमकर रहे का हो।

अति. जिला कलक्टर  
सिरोही (राज.)

